माँ के लिए जन्मदिन का उपहार

लेखक : जोआन

माँ के लिए जन्मदिन का उपहार

"डेवी," पीटर ने कहा.

"तुम्हें पता है कि आज क्या दिन है?"

"हाँ, पता है," डेवी ने जवाब दिया.

"क्यों! आज सोमवार है."

"नहीं, पागल," पीटर ने कहा.

"आज माँ का जन्मदिन है."

"हमें माँ को उसके बारे में बताना चाहिए!" डेवी ने कहा.

"उन्हें पता है," पीटर ने कहा.

"मैं माँ के लिए के लिए एक उपहार लेने जा रहा हूँ,"
पीटर ने कहा.

"क्या मैं भी तुम्हारे साथ चल सकता हूँ?" डेवी ने पूछा.

"तुम रास्ते मे शैतानी तो नहीं करोगे?" पीटर ने पूछा.

"नहीं, मैं कोई शैतानी नहीं करूंगा,"
डेवी ने उत्तर दिया.

"चलो, फिर तुम भी साथ चलो," पीटर ने कहा.

"क्या मुझे यहाँ अपना उपहार मिलेगा?"
डेवी ने पूछा.

"नहीं डेवी," पीटर ने कहा.

"आज तुम्हारा जन्मदिन नहीं है.
आज माँ का जन्मदिन है.
हम उनके लिए उपहार लाएंगे."

"ठीक है," डेवी ने कहा.

"माँ को क्या अच्छा लगेगा?"

पीटर ने डेवी से पूछा.

"उन्हें डंप-ट्रक पसंद आएगा," डेवी ने कहा.

"माँ को डंप-ट्रक पसंद नहीं आएगा!"

पीटर ने कहा.

"रोलर स्केट्स?" डेवी ने सुझाया.

"नहीं," पीटर ने कहा.

"माँ को लिपस्टिक पसंद आएगी," पीटर ने कहा.

"तुम अंदर जाकर दुकानदार से पूछो," डेवी ने कहा.
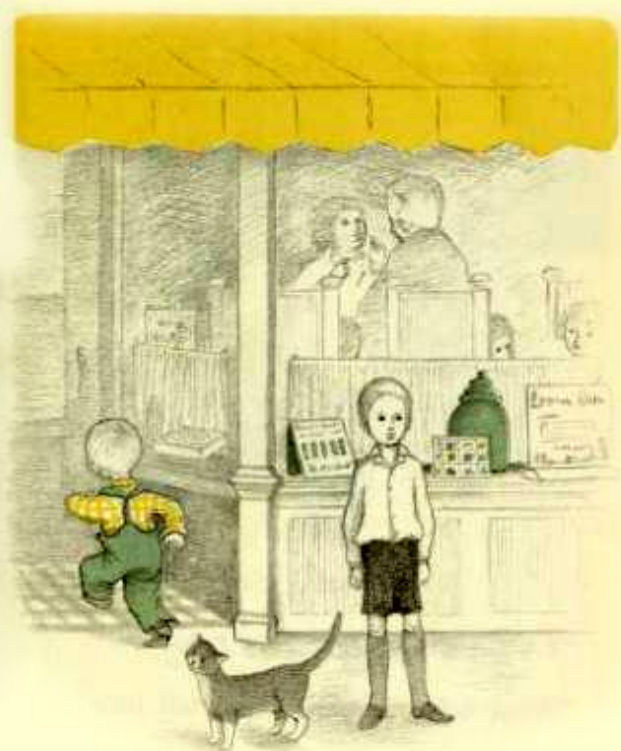
"नहीं, तुम जाकर पूछो," पीटर ने कहा.

"ठीक है," डेवी ने कहा, "मैं जाता हूँ."

"मुझे एक लिपस्टिक चाहिए,"
डेवी ने दुकानदार से कहा.
"किस रंग की लिपस्टिक?"
दुकानदार ने पूछा.
"मेरे पास, लाल, गुलाबी और
सुर्ख लाल रंग के कई शेड हैं."

"मुझे हरी लिपस्टिक चाहिए," डेवी ने कहा.
"मेरे पास हरी लिपस्टिक तो नहीं है,"
दुकानदार ने कहा.
"पर तुम चाहो तो यह लॉलीपॉप ले लो.
हरे रंग की है."
"आपका धन्यवाद," डेवी ने कहा.

"क्या तुम्हें लिपस्टिक मिली?" पीटर ने पूछा.

"नहीं," डेवी ने कहा.

"पर उस दुकानदार ने मुझे यह लॉलीपॉप दी."

"चलो, अगली दुकान में चलें," पीटर ने कहा.

"आप यहाँ क्या बेंचती हैं?" पीटर ने पूछा.

"टोपियां," महिला ने कहा.

"कृपा, मुझे माँ के लिए एक टोपी दिखाएँ?" पीटर ने कहा.

"किस नाप की टोपी," महिला ने पूछा.

"क्या?" पीटर ने पूछा.

"कितनी बड़ी टोपी चाहिए?" महिला ने पूछा.

"जो माँ के कानों तक आए," पीटर ने कहा.

"मेरी तरफ देखो," डेवी ने कहा.

"क्या?" महिला ने कहा.

"चलो, यहाँ से चलें डेवी," पीटर ने कहा.

"देखो!" डेवी ने कहा.

"मुझे एक पंख मिला है!"

"तुम्हें यह कहाँ से मिला?" पीटर ने पूछा.

"यह पंख उस टोपी में से गिरा था."

"आगे से अच्छा बर्ताव करना," पीटर ने कहा.

"ठीक है," डेवी ने कहा.

"देखो, यहाँ कितनी अच्छी चीज़ें सजी हैं!"
डेवी ने कहा.
"देखो! वो कुंडल जो लोग कानों में पहनते हैं,"
पीटर ने कहा.

"अच्छा, वो जिनमें सितारे लटके हैं!"
डेवी ने कहा. "मुझे वो बहुत अच्छे लग रहे हैं."
"मुझे भी," पीटर ने कहा.
"हम उन्हें लेंगे."

"वो पांच डॉलर के हैं,"आदमी ने कहा.

"बड़े महंगे हैं!" पीटर ने कहा.

"मैं पैसों के बारे में तो सब कुछ भूल ही गया था."

"डेवी क्या तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं?“

पीटर ने पूछा.

"एक सौ डॉलर," डेवी ने कहा.

"सचमुच," पीटर ने पूछा.

"दस लाख डॉलर," डेवी ने कहा.

"बकवास मत करो," पीटर ने कहा.

"सच बताओ, तुम्हारे पास कितने पैसे हैं?"

"सिर्फ एक पैनी," डेवी ने कहा.

"तुम्हारे पास एक पैनी नहीं एक डाइम -

यानि दस पैनी हैं," पीटर ने कहा.

"अच्छा तो यह डाइम है."

"मुझे दुःख है," पीटर ने कहा.

"हम वो कान के कुंडल नहीं खरीद पाएंगे.

हमारे पास उनके लिए पैसे नहीं हैं."

"कोई बात नहीं," आदमी ने कहा.

"चलो तुम मुफ्त में यह पेपर-क्लिप ले जाओ.

वो भी देखने में बहुत सुन्दर हैं."

"आपका बहुत-बहुत शुक्रिया," पीटर ने कहा.

"खुश रहो, बेटा," आदमी ने कहा.

"कृपा अपने भाई से कहो कि

वो मेरी दीवार घड़ी में से बाहर निकले."
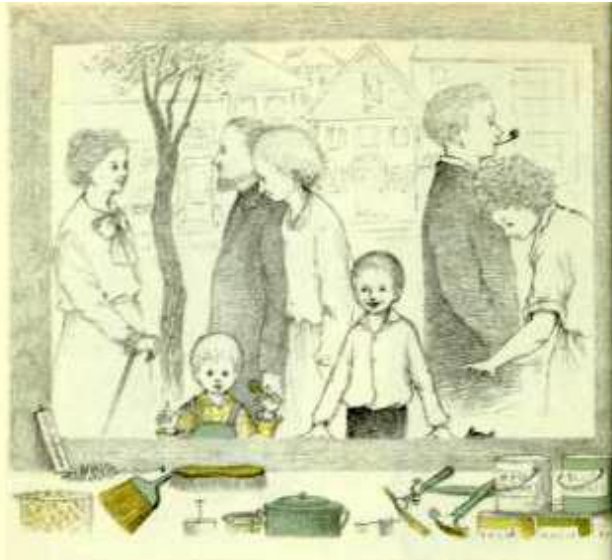
"इस दुकान में कुछ ऐसी चीज़ें दिखती हैं
जिनका माँ इस्तेमाल कर सकती हैं,"
पीटर ने कहा.
"तुम्हें वो बालों वाला ब्रश कैसा लगा?"
डेवी ने पूछा.
"वो बालों का ब्रश नहीं है," पीटर ने कहा.

"वो ब्रश रगड़ने के लिए है!"
"माँ के लिए वो अच्छा उपहार होगा,"
डेवी ने कहा.
"माँ को चीज़ें रगड़ना अच्छा लगता है,"
पीटर ने कहा.
"वो अक्सर मुझे भी रगड़ती हैं," डेवी ने कहा.
"चलो इस दुकान के अंदर चलें!"

"देखो पीटर, यह तो चिड़ियाघर है!" डेवी ने कहा.
"यह चिड़ियाघर नहीं है," पीटर ने कहा,
"यह पालतू जानवरों की दुकान है."
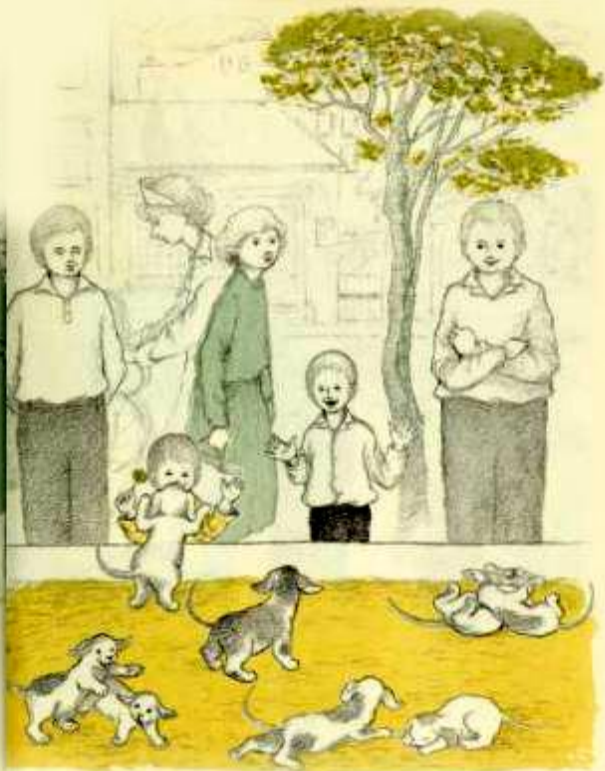
"चलो माँ के लिए कोई पालतू जानवर खरीदते हैं,"
डेवी ने कहा.
"ठीक है!" पीटर ने कहा.

"क्या आपके पास हाथी हैं?" डेवी ने पूछा.

"अभी तो नहीं हैं, बेटा," आदमी ने कहा.

"क्या यह समुद्र का सीप असली है?" पीटर ने पूछा.

"बिल्कुल असली," आदमी ने उत्तर दिया.

"यह सीप कितने का है?" पीटर ने पूछा.

"तुम इसे मुफ्त में ले जा सकते हो," आदमी ने कहा.

"आपका बहुत शुक्रिया," पीटर ने कहा.

"देखो पीटर, चूहे!" डेवी ने कहा.

"माँ, को एक चूहा बहुत पसंद आएगा!"
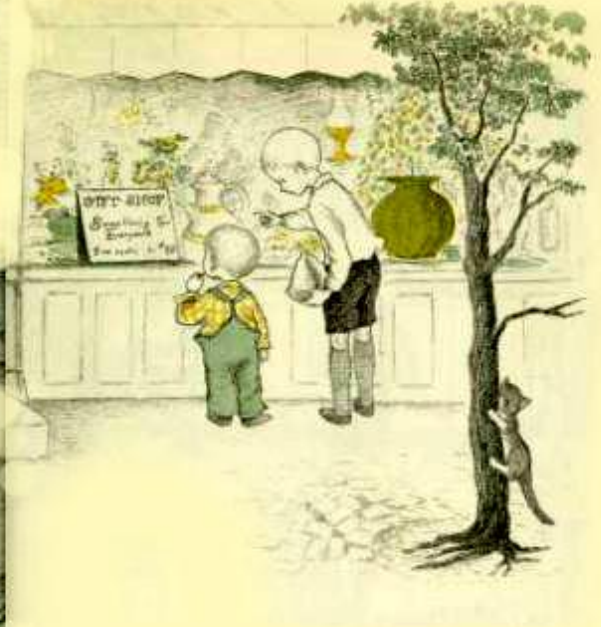
"क्या यह तुम्हारी माँ के लिए उपहार है?"
आदमी ने पूछा.
"हाँ," पीटर ने कहा.

"तुम अगली दुकान में जाकर देखो,"आदमी ने कहा.
"डेवी!" पीटर ने कहा.
"क्या तुम पढ़ सकते हो कि यह क्या लिखा है?"

"हाँ, मैं पढ़ सकता हूँ," डेवी ने कहा.

"क्या?" पीटर ने कहा.

"*घास पर मत चलो!*" डेवी ने कहा.

"नहीं, वो लिखा है *गिफ्ट शॉप,*" पीटर ने कहा.

"वहां शायद हमें माँ के लिए
कोई अच्छा उपहार मिल जाए."

"क्या वो कोई गिफ्ट है?" डेवी ने पूछा.

"हाँ, बिलकुल," पीटर ने उत्तर दिया.
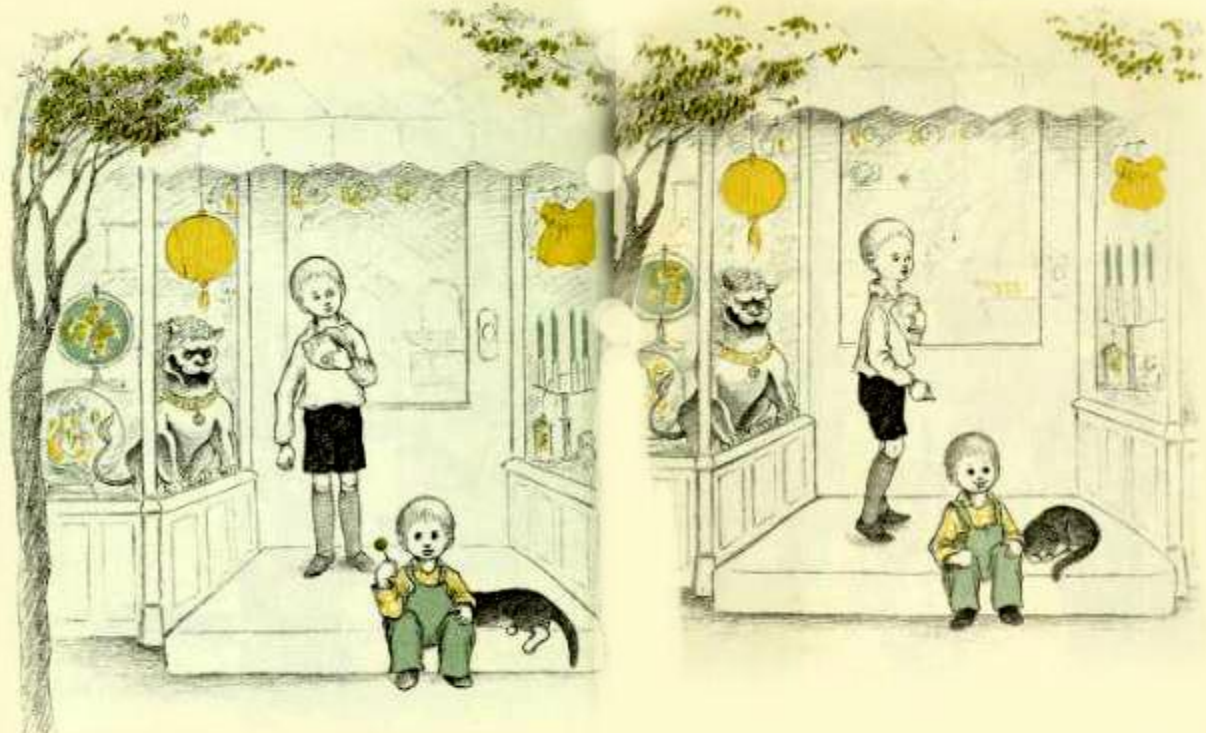
"तुम अंदर जाओ," डेवी ने कहा.

"मैं यहीं रहूंगा."

"ठीक है," पीटर ने कहा.

"पर तुम इन्हीं सीढ़ियों पर बैठना,

वहां से हिलना मत!"

"ठीक है," डेवी ने कहा.

"फिरकी और गुब्बारे!"

एक आदमी ने गाते हुए कहा.
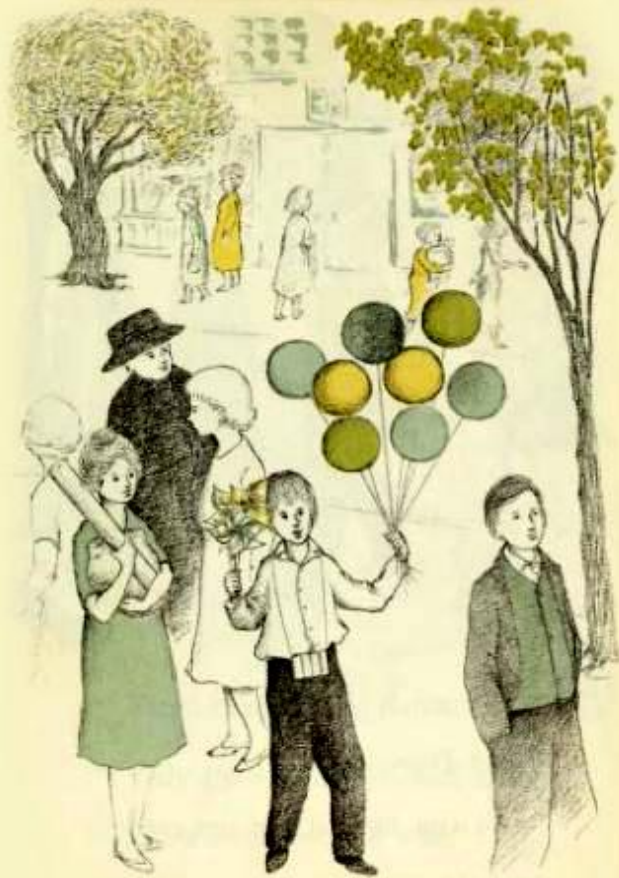
"फिरकी और गुब्बारे!"

"यह फिरकी कितने की है?“ डेवी ने पूछा.

"तुम उसे दस सेंट में खरीद सकते हो,"

आदमी ने कहा.

"पर मेरे पास सिर्फ एक डाइम है,“ डेवी ने कहा.

"वो भी चलेगी," आदमी ने कहा.

"क्या तुम्हें कोई उपहार मिला?“ डेवी ने पूछा.

"नहीं," पीटर ने कहा.

"पर दुकानदार ने मुझे यह टोकरी दी.

यह शायद फूलों के लिए है."

"देखो, मैं भी माँ के लिए कुछ लाया हूँ,"

डेवी ने कहा.

"डेवी!" पीटर ने कहा.

"क्या तुमने अपनी डाइम खर्च कर डाली?"

"मैं उसे खा गया!" डेवी ने कहा.

"डेवी, क्या तुम सच में उसे खा गए?"

पीटर ने पूछा.

"नहीं," डेवी ने कहा.

"मैंने उस डाइम से यह फिरकी खरीदी."

"यह तुमने क्यों किया!" पीटर ने कहा.
"अब हमारे पास न तो माँ के लिए कोई उपहार है,
और न ही कुछ पैसे ही बचे हैं."

"मैं माफ़ी चाहता हूँ, पीटर," डेवी ने कहा.
"चलो, कोई बात नहीं," पीटर ने कहा.

"अरे डेवी!" पीटर ने कहा.

"मेरे दिमाग में एक अच्छा आईडिया आया है!

घर जाते समय मैं उसके बारे में तुम्हें बताऊंगा."

"हम माँ को यह हरी लॉलीपॉप दे सकते हैं,"

डेवी ने कहा.

"लॉलीपॉप अभी भी उतनी बड़ी है

जितनी मुझे मिली थी."

"अरे बच्चों, तुम्हें इतनी देर कहाँ हो गई!"
माँ ने पूछा.
"तुम दोनों इतनी देर कहाँ गायब थे?"

"हम लोग आपके लिए उपहार लेने गए थे,"
पीटर ने कहा.

"एक नहीं, कई उपहार!" डेवी ने कहा.

"आपके जन्मदिन के लिए."

"अरे वाह!" माँ ने कहा.

"मैं तो भूल ही गई थी कि आज मेरा जन्मदिन है!"

"मैंने पीटर से आपको याद दिलाने को कहा था,"

डेवी ने कहा.

"चलिए अपने उपहार देखिये," पीटर ने कहा.

"हाँ," डेवी ने कहा, "जल्दी चलिए."

"कितने अच्छे हैं उपहार!" माँ ने कहा.

"तुम दोनों का बहुत धन्यवाद!"

"यह उपहार हमने मिलकर बनाए हैं,"

डेवी ने कहा.

"आप इन सारी चीज़ों को देखिये!"

"हम शहर की हरेक दुकान में गए," पीटर ने कहा.

"केमिस्ट की दुकान, टोपियों की दुकान,

घड़ी वाले की दुकान और कुंडलों की दुकान में,

पालतू जानवरों वाली दुकान और गिफ्ट शॉप में भी."

"ऐसा," माँ ने आश्चर्य से पूछा।

"जहाँ रगड़ने वाले ब्रश मिलते हैं,

हम उस दुकान में नहीं गए," डेवी ने कहा.

"क्या आपको हमारा उपहार पसंद आया?'

पीटर ने पूछा.

"तुम्हारा उपहार बहुत ही सुन्दर है," माँ ने कहा.

"यह मेरे लिए आजतक का सबसे बढ़िया उपहार है!“

"यह क्रिसमस का पेड़ है," डेवी ने कहा.

"नहीं, डेवी," पीटर ने कहा.

"मैंने तुम्हें बताया था.

यह क्रिसमस का पेड़ नहीं है,"

"फिर यह किस प्रकार का पेड़ है," डेवी ने पूछा,

"अगर यह क्रिसमस ट्री नहीं तो फिर क्या है?"

"मैं," माँ ने कहा,

"मैं इसे जन्मदिन का पेड़ बुलाऊंगी!"

समाप्त